शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

02 अगस्त 2025

● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 177
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी धर्मनगरी -

गोली लगने से बाप-बेटे घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के एक गांव में आज सुबह दो पक्षों में हुई गोलियों की तड़तड़ाहट से हड़कंप मच गया। हमले में एक पक्ष के पिता पुत्र को गोली लगी। जिससे गांव में अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल पिता पुत्र को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत के देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए क्षेत्र में ही डेरा डालकर जांच शुरू कर दी गयी है।

मामला झबरेड़ा थाना क्षेत्र के कोटवाल आलमपुर गांव का है। यहां रहने वाले तेजपाल एवं बालेश्वर पक्ष के बीच लंबे समय से किसी बात को लेकर रंजिश चली आ रही है। इस रंजिश को लेकर दोनो पक्षों में कई बार कहा सुनी भी हुई है।

❑गम्भीर हालत को देखते हुए किया हायर सेन्टर रैफर

बताया जा रहा है कि बीती 18 जून को एक पक्ष की युवती का फोटो खींचकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस पर दोनो पक्षों के बीच कहासुनी हुई मामला थाने पहुंचा और दोनो पक्षों की ओर से तहरीर भी दी गयी। अभी विवाद निपटा ही नहीं था कि आज सुबह फिर से एक पक्ष ने आकर विवाद शुरू कर दिया और फायरिंग शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि एक पक्ष के दो लोगों को गोली लगी। जिनके नाम सुशील पुत्र तेजपाल उम्र 60 वर्ष और वंश पुत्र सुशील 20 वर्ष बताई गई है। घायलों को लेकर परिजन अस्पताल की ओर दौड़े और सूचना पुलिस को दी। वहीं सिविल अस्पताल लाने पर दोनों को हालत गंभीर देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश में रेफर किया गया है। गांव में पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और तनाव का माहौल देखते हुए पुलिस बल की तैनाती कर जांच शुरू कर दी गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनाव व लोकतंत्र खेल तमाशा नहीं

अभी देश के लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई लंबी संसदीय चर्चा के दौरान देश के सत्ता शीर्ष पर 11 सालों से बैठे भाजपा नेताओं और विपक्ष के नेताओं को सुना और अब बिहार चुनाव से वहां निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जाने वाले एसआईआर (विशेष गहन मतदाता सूची परीक्षण) के मुद्दे पर संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में चल रही कार्यवाही को देश के लोग देख रहे हैं। बीते कल इस मुद्दे को लेकर नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा खुलेआम चुनाव आयोग को चुनौती दी गई है कि वह लोगों के वोट की चोरी करने वाले किसी भी अधिकारी को छोड़ेंगे नहीं। उनके पास इस वोट चोरी के बहुत सारे प्रमाण हैं जिनका खुलासा किसी बम विस्फोट से कम नहीं होगा। भले ही लोग यह समझ रहे हो कि नेता विपक्ष हवा हवाई बातें कर रहे हैं लेकिन कोई भी नेता इतनी दमदारी से कोई झूठी अफवाह नहीं फैला सकता है क्योंकि इस समय केंद्र में एक ऐसी सरकार है इसके विरोध में एक शब्द भी बोलने या लिखने वाले को कैसे जेल भिजवाया जा सकता है इस सत्य को आज पत्रकारों से लेकर हर एक नेता और आम आदमी तक बखूबी जानता समझता है और जो लोग नहीं जानते हैं उन्हें सोशल मीडिया पर पत्रकार अभिसार शर्मा का वह वीडियो जरूर देख लेना चाहिए जो उन्होंने चंद घंटे ही पहले डाला है। देश के वर्तमान हालात की सच्चाई आपको जरूर पता चल जाएगी कि देश की राजनीति से लेकर पत्रकारिता तक किस स्तर पर क्या-क्या हो रहा है। वह चाहे आम आदमी हो या फिर कोई नेता, उद्योगपति हो या व्यवसायी। पत्रकार हो या फिर सोशल एक्टिविस्ट अथवा वह संवैधानिक संस्थाएं जिनका लोकतंत्र में स्वतंत्र अस्तित्व होता है सत्ता का डर हर एक वर्ग के मन में इस कदर हावी है कि वह सत्ता के विरुद्ध एक शब्द भी बोलने का साहस नहीं कर सकता है। स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जब देश में इमरजेंसी लगा दी तो लोगों के मन में कुछ इसी तरह का डर देखा गया था लेकिन इस समय भले ही इस तरह की किसी इमरजेंसी की घोषणा न की गई हो लेकिन हालात कितने बदतर है इसका अनुमान आप पत्रकार अभिसार शर्मा के उसे वीडियो से सहज लगा सकते हैं जिसमें वह साफ-साफ कह रहे हैं कि मुझे खत्म करके ही आप मेरी आवाज को रोक सकते हैं। उनकी इस चुनौती के पीछे के डर को आप इस वीडियो में देखकर साफ समझ सकते हैं। अब थोड़ी सी बात उस संविधान की भी कर लेना जरूरी है जिसे बदलने और संविधान की रक्षा करने जैसे मुद्दे भी एक आंदोलन का रूप ले चुके हैं। जिस लोकतंत्र को विश्व का सबसे सफल और पुराना लोकतंत्र होने का हम सब भारतवासी गर्व करते हैं उसका एक मात्र कारण इस लोकतंत्र की आत्मा का संविधान में निहित होना ही है। अगर संविधान को बदला जाता है या उसमें दी गई व्यवस्थाओं का उल्लंघन सत्ता द्वारा किया जाता है तो फिर लोकतंत्र को कोई भी ताकत नहीं बचा सकेगी। इस सच को हर एक भारतीय को समझने की जरूरत है। इस देश के नागरिकों का ऐसी स्थिति में कुछ भी वजूद नहीं रहेगा पहले कहा जाता था कि इस देश के नागरिकों की सबसे बड़ी ताकत उनके वोट में निहित है और अगर आपके वोट देने का ही जब कोई अर्थ नहीं रह जाए तो यह नागरिक सिर्फ भेड़ बकरी जैसे ही बनकर रह जाएंगे। चुनाव आयोग में बैठे अधिकारी अगर सत्ता के लिए ऐसी व्यवस्था प्रदान कर रहे हैं तो कोई नागरिक वोट किसी भी दल या नेता को दे लेकिन जीत सिर्फ उसी की होगी जिसे सत्ता या चुनाव आयोग तय करेगा तो फिर लोकतंत्र महज दिखावा है और चुनाव सिर्फ एक खेल तमाशा ऐसे में चुनाव और इस लोकतंत्र का सच देश और दुनिया के सामने आना ही चाहिए।

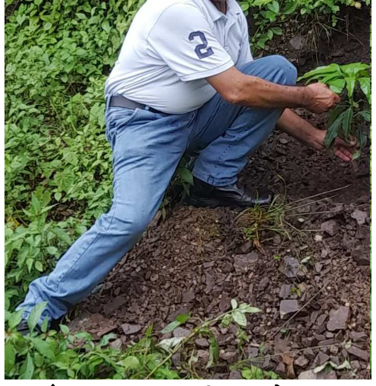

उत्तराँचल उत्थान परिषद् के तत्वाधान में ग्राम इठाराना मानेकी में आम, लीची व जामुन का वृक्षारोपण किया गया।

रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ मेला 2027 की विकास योजनाओं में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को शामिल किए जाने की मांग को लेकर लघु व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

आज यहां रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का एकमात्र सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में मोती बाजार, पुरानी सब्जी मंडी चौक पर आगामी अर्द्ध कुंभ मेला 2027 में हरिद्वार की विकास योजनाओं में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को सम्मिलित किए जाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आगामी अर्द्ध कुंभ मेला 2027 की विकास की योजनाओं में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मिलित किए जाने की मांग को लेकर ओनलाइन ईमेल द्वारा ज्ञापन प्रेषित किया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा पंतदीप पार्किंग, किसान घाट, विष्णु घाट, गांव घाट इत्यादि क्षेत्रों में बिंदी चूड़ी माला फूल प्रसाद के कारोबारी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों की संख्या का ध्यान में रखते हुए आगामी अर्द्ध कुंभ मेला 2027 की हरिद्वार की विकास योजनाओं में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा शीघ्र ही फेरी समिति की बैठक का आयोजन किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना राष्ट्रीय पत्र विक्रेता संरक्षण अधिनियम के दृष्टिगत नगर निगम प्रशासन द्वारा समस्त मेला क्षेत्र के रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का नए तरीके से सर्वे कराकर राज्य सरकार के संरक्षण में राष्ट्रीय आजीविका मिशन गरीबी रोजगार को ध्यान में रखकर विकास की योजनाओ मे सम्मिलित किया जाना न्यायपूर्ण होगा। आगामी कुंभ मेला 2027 की विकास योजनाओं में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को शामिल किए जाने की मांग करते प्रदर्शनकारियों में राजकुमार सिंह, किशन लाल, हंसराज अरोड़ा, कमल शर्मा, कपिल सिंह, नीरज कश्यप, नंदकिशोर गोस्वामी, प्रभात, वीरेंद्र, सोनू कुमार, चंदन रावत, विशाल सिंह, मनीष, धर्मेंद्र, श्रीमती पूनम माखन, कामिनी मिश्रा, रितु अग्निहोत्री, रेखा देवी, सीमा देवी, पुष्पा दास, इंदिरा, पूनम आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पंचायतों को 29 विषय सौंपने का संघर्ष होगा तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन ने उत्तराखंड में पंचायतों को 29 विषय सौंपे पर जाने के लिए कार्यकाल 2025 को समर्पित करने का फैसला लिया है। संगठन प्रत्येक जनपद में जिला संयोजकों की घोषणा की करेगी। संगठन को मजबूत बनाने के लिए अहम फैसले ले जाएंगे। संगठन ने राज्य के 12 जिलो के नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई दिया।

संगठन के राज्य संयोजक जगत मर्तोलिया ने कहा कि उत्तराखंड में संगठन की नींव रखते समय तय किया गया था कि 30 प्रतिशत पूर्व पंचायत प्रतिनिधि तथा 70 प्रतिशत नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को इस संगठन में स्थान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत को 29 विषय सौंपे जाने के लिए इस कार्यकाल में निर्णायक संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायती राज मंत्रालय उत्तराखंड द्वारा विधानसभा को

❑सीआर लिखने का अधिकार मिले, शीघ्र घोषित होंगे जिला संयोजक

इस संदर्भ में संकल्प भेजा गया था। उन्होंने बताया कि शीघ्र संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल इस संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा तभी मिल सकता है, जब 29 विषयों को पंचायत को हस्तांतरित करने की औपचारिकता उत्तराखंड पूर्ण कर लेगा।

उन्होंने कहा कि केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल, अरुणाचल सहित जिन राज्यों ने पंचायतों को 29 विषय स्थानांतरित किए है उन राज्यों में विकास की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कहा कि इसके बाद ही गांव की सरकार का सपना भी साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष तथा क्षेत्र प्रमुख का चुनाव जनता से कराया जाने का प्रस्ताव भी लंबित चल रहा है। इस पर भी सरकार को तत्काल फैसला लिए जाने के लिए बातचीत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष तथा क्षेत्र प्रमुख का चुनाव इतना खर्चीला हो गया है कि आम प्रत्याशी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़क को लेकर मोर्चा हुआ मुखर

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने डाकपत्थर रोड की दुर्दशा व सडक में बने गढडो से होने वाली दुर्घटनाओं पर नाराजगी जाहिर की।

आज यहां डाकपत्थर रोड की दुर्दशा एवं सड़क में बने गड्ढों से आए दिन हो रही दुर्घटनाओं एवं वाहन पलटने से आक्रोशित जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने मोर्चा टीम के साथ सड़क का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों द्वारा बरती जा रही लापरवाही के प्रति नाराजगी जताई। नेगी ने कहा कि सड़क में हुए गड्ढों की वजह से कई बार वाहन पलट गए तथा कई लोग चोटिल हुए हैं, लेकिन विभागीय अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं है। प्रतीत होता है कि विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। आखिर संबंधित जनप्रतिनिधियों का इस और ध्यान क्यों नहीं जा रहा है। विभाग को चाहिए कि इस बरसाती सीजन में उसमें वैकल्पिक उपचार कर सड़क का समतलीकरण कराये।

नेगी ने मौके पर ही लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता शर्मा एवं अधिशासी अभियंता करनवाल से दूरभाष पर वार्ता कर अवगत कराया, जिसमें उनके द्वारा शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। मोर्चा किसी भी सूरत में जनता का शोषण नहीं होने देगा। नेगी ने तंज कसते हुए कहा कि इन गड्ढों को भरने के लिए क्या विभाग को नाबार्ड एवं आई एम एफ से आर्थिक सहायता लेनी पड़ेगी।

मोर्चा टीम में विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, प्रवीण शर्मा पिन्नी, विनोद जैन, भीम सिंह बिष्ट, अमित जैन, अतुल हांडा, अश्वनी कुमार, यूनुस, प्रमोद शर्मा, नरेंद्र तोमर, नाजिर, सुमेर चंद, नाहिद, जसवीर, भगत सिंह, सोनू आदि मौजूद थे।

ट्रंप प्रशासन की टैरिफ युद्ध

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है।

अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रंप प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस संबंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है।

ट्रंप द्वारा कई बार घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही संपन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त, 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।

इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी-भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थ (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी संपन्न किया जा चुका है।

पूर्व में, ट्रंप प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता संपन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है।

द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है, और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त, 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि संबंधी निर्णयों की आलोचना की है, और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है।

दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है, तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे संबंध हैं, तो अमेरिका से भी अपने संबंधों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रय प्रतिशतशील है।

हाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से संपन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थ की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजरअंदाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने संबंधों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं, तो लंबी अवधि में इसका नुकसान इन्हीं का है।

ड्राई स्किन और ऐक्ने की समस्या दूर करता है पुदीना

पुदीने की तासीर ठंडी होती है और यह पारंपरिक दवाइओं के रूप में इस्तेमाल होने वाली सबसे फेसम जड़ी बूटी में से एक है। पुदीना सेहत के लिए तो फायदेमंद है ही यह आपकी स्किन के लिए भी पावरफुल हीलर का काम करता है। नैचरल ब्यूटी प्रॉडक्ट के रूप में आप पुदीने का इस्तेमाल कैसे कर सकती हैं यहां जानें..

चेहरे पर एजिंग का असर दिखेगा कम: जब शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है तो आपकी स्किन टाइट और हेल्दी रहती है। पुदीने का इस्तेमाल कर आप अपनी स्किन को सही पोषक तत्व देते हैं जिससे आपकी स्किन पर झुर्रियां और बारीक रेखाएं दिखना कम हो जाती हैं और चेहरे पर एजिंग यानी उम्र के निशान नहीं दिखते। पुदीना ऐंटिऑक्सिडेंट्स का भी बेहतरीन सोर्स है जो फ्री रैडिकल डैमेज को कंट्रोल कर स्किन को जवां बनाए रखता है।

ऐक्ने यानी मुंहासे करे दूर : खूबसूरत-बेदाग स्किन चाहिए तो आर्टिफिशल प्रॉडक्ट्स की जगह पुदीने की पत्तियों का इस्तेमाल करें। पुदीने की कुछ पत्तियों को अच्छे से क्रश कर लें और फिर उसमें गुलाब जल मिलाएं। इसमें थोड़ा सा बेसन डालकर पेस्ट बनाएं और इस फेस पैक को चेहरे पर करीब 30 मिनट तक लगाए रखें। फिर पानी से धो लें। पुदीने के इस फेस पैक की मदद से स्किन को ऑइल फ्री रखने में मदद मिलेगी जिससे ऐक्ने यानी मुंहासे होंगे दूर।

स्किन की ड्राइनेस होगी दूर : क्या आप भी अपनी ड्राई स्किन की समस्या से परेशान हैं और बार-बार मॉइश्चराइजर लगाना पड़ता है? अगर हां तो केमिकल बेस्ड मॉइश्चराइजर यूज करने की बजाए नैचरल तरीका अपनाएं और पुदीने की पत्तियां यूज करें। पुदीने की पत्तियों को ब्लेंडर में पीसें और उनका जूस निकाल लें। इस जूस को चेहरे पर लगाएं और फिर देखें कि चेहरा कैसे मॉइश्चराइज हो जाता है।

स्किन को एक्सफोलिएट करेगा पुदीना: पुदीने की पत्तियां एक्सफोलिएटर यानी स्क्रबर का काम करती हैं। इसके लिए पुदीने की पत्तियों का जूस निकाल लें और फिर इसमें 1 चम्मच ओटमील मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और करीब 10-15 मिनट के लिए सूखने दें। 15 मिनट बाद स्किन पर स्क्रब करें और चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे पर मौजूद डेड स्किन सेल्स हट जाएंगे और अंदर से निखर जाएगी आपकी स्किन।

तैलीय त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज करने के लिए अपनाएं ये तरीके

तैलीय त्वचा होने की सबसे बड़ी चुनौती इसकी नमी संतुलन बनाए रखना है। कई लोग तो मॉइस्चराइजर का उपयोग करना ही छोड़ देते हैं क्योंकि इससे उन्हें त्वचा की तैलीयता बढ़ने का डर रहता है। ऐसा करना गलत है क्योंकि त्वचा के प्रकार कुछ भी हो, मॉइस्चराइजिंग स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप अपनी तैलीय त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज कर सकते हैं।

दूध का करें इस्तेमाल: दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जिसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं। यह स्किन बैरियर फंक्शन को बनाए रखने में भी मदद करता है। लाभ के लिए एक चौथाई कप ताजे दूध में नींबू के रस की कुछ बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे अपने चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद अपने चेहरे को पानी से धो लें। ऐसा आप हफ्ते में एक बार कर सकते हैं।

गुलाब की पंखुड़ियां भी हैं प्रभावी : गुलाब की पंखुड़ियों का अर्क त्वचा पर एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव प्रदर्शित करता है और त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करके इसे मॉइस्चराइज कर सकता है। लाभ के लिए एक सॉस पैन में थोड़ा गुलाब जल और एक कप गुलाब की पंखुड़ियां डालकर इसे उबालें। अब इस घोल को ठंडा करके छान लें, फिर इसमें एलोवेरा जेल मिलाकर इसे फ्रिज में रख दें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर लगाएं।

एलोवेरा आएगा काम : एलोवेरा न केवल आपकी तैलीय त्वचा को मॉइस्चराइज कर सकता है बल्कि इसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचाए भी रख सकता है। लाभ के लिए एक कटोरी में एक चम्मच कारनौबा वैक्स, दो-तीन बड़ी चम्मच जोजोबा तेल और एक बड़ी चम्मच पानी मिलाएं। अब इसे थोड़ा गर्म करके अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। ऐसा हर रात सोने से पहले करें।

घरेलू टिप्स से पाएं खूबसूरत बैक

डीप बैक कट के कपडे आजकल फिर से फैशन में वापस आ गए हैं। आप देख सकते हैं कि कई सेलेब्रिटीज भी डीप कट के गाउन पहने नजर आ जाती हैं। उनकी साफ और दाग-धब्बे रहित पीठ देख कर आप भी उनकी तरह पीठ होने की चाह रखती होगी। यदि आपकी पीठ पर एक्ने, रैश या धब्बे पडे हैं तो आपको उनकी चिंता अभी से ही करनी शुरू कर देनी चाहिये। तो आइए जानते हैं यह टिप्स जिनसे आप अपनी बैक को साफ और सुंदर बना सकती हैं।

स्क्रब- त्वचा को गंदगी और डेड स्कीन से मुक्ती दिलाने के लिये स्क्रब करना बहुत जरूरी है। आप चाहें तो लूफा का प्रयोग कर सकते हैं, इससे ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता है।

डार्क स्पॉट को छुपाए- यदि आपकी पीठ पर दाग-धब्बे पडे हुए हैं तो उसको छुपाने के लिये कंसीलर का प्रयोग करें। इसके लिये आपको मेडिकेटेड कंसीलर का प्रयोग करना चाहिये जिससे पिंपल छुप भी जाए और उसी समय वह ठीक भी हो जाए। तेल मसाज- हर दूसरे दिन आपको अपने पीठ की मसाज करनी चाहिये। सुगंधित तेल जैसे, बादाम, जैतून या लेवेंडर का प्रयोग करें। इन तलों से अपनी पीठ को नमी भी पहुंचा सकते हैं और चमकदार भी बना सकते हैं। तेल मसाज- हर दूसरे दिन आपको अपने पीठ की मसाज करनी चाहिये। सुगंधित तेल जैसे, बादाम, जैतून या लेवेंडर का प्रयोग करें। इन तलों से अपनी पीठ को नमी भी पहुंचा सकते हैं और चमकदार भी बना सकते हैं।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2०47 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 1० से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2०2० में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने %नशा मुक्त भारत अभियान% की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में मेरा भारत ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 2० जुलाई तक %युवा आध्यात्मिक समिट% का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा %नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत%। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 1०० से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा मेरा भारत के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक %काशी डिक्लेरेशन% जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला %युवा आध्यात्मिक समिट% इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2०47 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(लेखक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

वायु प्रदूषण से प्रभावित हो रहे गर्भस्थ शिशु

डॉ राहुल शर्मा

वायु प्रदूषण भारत में एक प्रमुख स्वास्थ्य संकट बना हुआ है, जहां परिवेशीय और घरेलू प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। यह गर्भवती महिलाओं, भ्रूणों, नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों जैसे संवेदनशील समूहों को असमान रूप से प्रभावित करता है। आइआइटी, दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई और ब्रिटेन तथा आयरलैंड के शोधकर्ताओं के अध्ययन ने भी इस बात की पुष्टि की है कि वायु प्रदूषण का असर गर्भस्थ शिशुओं पर पड़ रहा है। वे कम वजन के और असमय पैदा हो रहे हैं। यह अध्ययन वायु प्रदूषण से उपजे गंभीर संकट की ओर इशारा करता है।

गर्भावस्था के दौरान गर्भवती के पीएम2. 5, पीएम1०, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के संपर्क में आने पर भ्रूण पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं।

भारतीय शहरों में अक्सर पीएम2. 5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से कई गुना अधिक दर्ज किया जाता है। ऐसी स्थिति में सांसों के माध्यम से जब गर्भवती के भीतर ये प्रदूषक प्रवेश करते हैं, तब ये उसके पूरे शरीर में सूजन (सिस्टमेटिक इनफ्लेमेशन) और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस (जब शरीर में मुक्त कणों की संख्या एंटीऑक्सीडेंट से अधिक हो जाती है) पैदा करते हैं, जो गर्भाशय के संकुचन, गर्भाशय ग्रीवा के पकने और झिल्लियों के समय से पूर्व टूटने जैसी स्थितियां उत्पन्न कर सकते हैं।

इससे भ्रूण और नवजात की वृद्धि और विकास प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, वायु प्रदूषण का प्रसव पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। समय पूर्व जन्म (37 सप्ताह से पहले प्रसव) भारत में नवजात शिशुओं की रुग्णता और मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है। वायु प्रदूषण के चलते प्रतिवर्ष 35 लाख से अधिक बच्चों का जन्म असमय हो जाता है। भारत में हुए कई अध्ययनों ने भी समय पूर्व जन्म का एक कारण वायु प्रदूषण को बताया है।

जन्म के समय बच्चे के कम वजन का होना भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिस कारण लगभग 18 प्रतिशत नवजात (लाइव बर्थ) प्रभावित होते हैं। शहरी क्षेत्रों में अक्सर परिवेशी प्रदूषण के कारण यह दर और भी अधिक होती है। गर्भवती के वायु प्रदूषण (उच्च पीएम2. 5) के लगातार संपर्क में रहने से प्लासेंटा के भीतर मौजद ब्लड वेसेल्स का विकास और संचरना (प्लासेंटल वैस्कुलराइजेशन) तथा पोषक तत्वों की आपूर्ति बाधित होती है, जिससे गर्भ में पल रहे शिशु की वृद्धि अपेक्षित दर से नहीं हो पाती है।

भारत में मृत जन्म (स्टिलबर्थ (बीस सप्ताह के बाद भ्रूण की मृत्यु हो जाना)) की दर उच्च आय वाले देशों की तुलना में ऊंची बनी हुई है। इसके लिए भी वायु प्रदूषण को एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक माना जा रहा है।

मिलियन डेथ स्टडी के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि वायु प्रदूषण के कारण भारत में प्रतिवर्ष 25,००० से अधिक स्टिलबर्थ होते हैं। वायु प्रदूषण का नवजात और शिशु के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

भारत में समय पूर्व जन्मे और कम वजन वाले शिशु गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करते हैं। ऐसे बच्चों को अक्सर श्वसन संकट, हाइपोथर्मिया, हाइपोग्लाइसीमिया और सेप्सिस जैसी परेशानी से दो-चार होना पड़ता है। भारतीय बाल रोग अकादमी की रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व जन्मे शिशुओं को सामान्य शिशुओं की तुलना में दो से तीन गुना अधिक रेस्पिरेटरी सपोर्ट की आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं, प्रसव के बाद शिशुओं के अपने आसपास मौजूद उच्च प्रदूषण के संपर्क में आने से ब्रोंकियोलाइटिस, निमोनिया और अस्पताल में भर्ती होने का खतरा बढ़ जाता है। विदित हो कि वायु प्रदूषण भारत में बचपन में निमोनिया से होने वाली मौतों के शीर्ष तीन जोखिम कारकों में से एक है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में से लगभग 12 प्रतिशत की मृत्यु वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से होती हैं, जो अक्सर निमोनिया या जन्म संबंधी जटिलताओं के कारण होती है।

वर्ष 2०19 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुमानत 1,16,००० बच्चों की मृत्यु हुई थी। बच्चे के जन्म के बाद भी कुछ समय तक उसके फेफड़ों का विकास जारी रहता है। परंतु भारतीय शहरों में उच्च पीएम स्तर के लगातार संपर्क में रहने से यह प्रक्रिया बाधित हो सकती है। इससे फेफड़े की कार्यक्षमता कम हो सकती है, जो अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और शारीरिक क्षमता में कमी जैसे खतरे को बढ़ाती है।

जन्म पूर्व पीएम2. 5 के संपर्क में आने से बच्चों के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव पड़ता है, जिससे उनकी संज्ञानात्मक प्रक्रिया तो प्रभावित होती ही है, उन्हें व्यवहार संबंधी समस्या भी होती है। असमय या कम वजन के साथ जन्मे शिशुओं के बड़े होने पर अस्थमा, फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, सीखने और ध्यान संबंधी समस्याओं, खराब समन्वय और चिंता व अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से घिरने का खतरा बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण के इन गंभीर परिणामों को देखते हुए गर्भवती महिलाओं और बच्चों को वायु प्रदूषण से बचाना सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्राथमिकता होनी चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -33

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 32 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

एली अवराम ने लेदर जैकेट में शेयर की हॉट तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने अपने नए फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। लेदर जैकेट में उनका यह ग्लैमरस अंदाज़ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एली ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ग्र जो उनकी इस दमदार और सिज़लिंग पर्सनालिटी को बखूबी दर्शाता है। फोटोशूट में एली ने मरून कलर की स्टाइलिश लेदर जैकेट पहनी है, जिसमें उनका कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है। ओपन हेयर, स्मोकी आई मेकअप और गोल्डन इयररिंग्स ने उनके लुक को और भी एट्रैक्टिव बना दिया है। फोटोज़ में उनका पोज़ और एक्सप्रेशन फैंस को दीवाना बना रहा है।

एली अवराम का यह फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल की क्वीन भी हैं। कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जहां फैंस उन्हें स्तब्ध करने वाला और फैशन दिवा जैसे कमेंट्स से नवाज़ रहे हैं। एली की यह तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि उनका हर अंदाज़ फैंस को इम्प्रेस करने में कामयाब रहता है।

वॉर 2 का नया पोस्टर जारी

यशराज फिल्म्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वॉर 2' का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में फिल्म के तीनों लीड एक्टर्स ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के किरदार के बीच जबरदस्त टक्कर की झलक है। इस पोस्टर पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं।

वॉर 2' के पोस्टर में ऋतिक हाथों में तलवार लिए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। जबकि जूनियर एनटीआर भी गुस्से में हैं। वहीं कियारा आडवाणी हाथ में बंदूक लिए दिख रही हैं। साथ ही पोस्टर में नीचे ऋतिक और जूनियर एनटीआर बोट पर एक-दूसरे का सामना कर रहे हैं। ऋतिक को अपनी एक्शन इमेज के लिए बॉलीवुड में जाना जाता है, वहीं जूनियर एनटीआर भी साउथ फिल्मों के बड़े एक्शन स्टार हैं। अब दोनों को दर्शक फिल्म वॉर 2 में जबरदस्त एक्शन करते हुए देखेंगे।

वॉर 2' फिल्म के इस नए पोस्टर को फैंस ने भी खूब पसंद किया है। यूजर्स ने इस पर खूब रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर्स लिखता है, मुझे यह पोस्टर अच्छा लगा।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, जय एनटीआर।' वहीं ऋतिक के फैंस ने भी कमेंट सेक्शन में हाजिरी लगाई। ऋतिक के लुक पर फायर और हार्ट इमोजी बरसाए हैं।

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। महज 30 दिन ही इस फिल्म को रिलीज होने के लिए बचे हैं। यह फिल्म हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म के डायरेक्टर अर्यान मुखर्जी हैं।

हमेशा से एक्ट्रेस बनना चाहती थीं- ट्विंकल अरोड़ा

टीवी एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा इन दिनों अपनी कॉमेडी फिल्म पंजाबी आ गए ओए को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्म में जुड़ने के अपने अनुभव और उत्साह को साझा किया। साथ ही बताया कि यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है।

ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि जब उनके पास इस पंजाबी फिल्म का ऑफर आया, तो वह काफी खुश हुई। एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे पता चला कि मैं एक पंजाबी फिल्म करने जा रही हूं, तो मैं बहुत ज्यादा खुश और आभारी महसूस कर रही थी। मुझे लगता है कि ये मुझ पर भगवान की कृपा हो रही है और मैं इस पर काफी विश्वास करती हूं। मैंने अपना करियर पंजाबी इंडस्ट्री से शुरू किया था, इसलिए वहां एक लीड रोल में फिल्म करना मेरी ख्वाहिशों में हमेशा से शामिल रहा है। मैं हमेशा से फिल्म इंडस्ट्री में काम करना चाहती थी और अब वह सपना पूरा हो गया। इसलिए मैं सच में खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।

उन्होंने आगे बताया कि जब उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट पहली बार सुनी, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी।

ट्विंकल ने कहा, जब मेरी पहली मीटिंग हुई और मैंने पंजाबी आ गए ओए की स्क्रिप्ट सुनी। मुझे एहसास हुआ कि ये एक ऐसी फिल्म है, जो पूरे परिवार के साथ देखी जा सकती है। इसमें हर उम्र के लोगों के लिए कुछ न कुछ है, हंसी-मजाक, रोमांच और कुछ नया भी आजमाया गया है। मुझे ये सब बहुत अच्छा लगा और अब मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

पिछले साल अक्टूबर में ट्विंकल ने अपनी फिल्म का ऐलान किया था। उन्होंने एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वह क्लैपबोर्ड पकड़े खड़ी हुई नजर आ रही थीं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था, पंजाबी आ गए ओए... मैं अपने फैन्स को एक नए प्रोजेक्ट से सरप्राइज देना चाहती हूं। बहुत जल्द ये तोहफा आपके नजदीकी सिनेमाघरों में पहुंचेगा। अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए।

इस फिल्म में ट्विंकल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह और सिंग्गा भी नजर आएंगे। पंजाबी आ गए ओए दुनिया भर के सिनेमाघरों में 29 अगस्त को रिलीज होगी।

हीर एक्सप्रेस 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी

ओएमजी और 102 नॉट आउट जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्देशक उमेश शुक्ला एक बार फिर नए प्रोजेक्ट के साथ हाजिर हैं। उनकी अगली फिल्मका नाम है हीर एक्सप्रेस, जो एक रोमांटिक और दिल छू लेने वाली कहानी पेश करने वाली है। यह फिल्म 8 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

फिल्म का पहला गाना वे रांझणा' अब रिलीज़ हो चुका है और इसे सुनते ही प्यार का एहसास हो जाता है।

वे रांझणा गाने में प्यार, भावनाएं और खूबसूरत लोकेशंस देखने को मिलती हैं। इस गाने के ज़रिए दर्शकों को फिल्म की नायिका दीविता जुनेजा कीपहली झलक भी देखने को मिली है, जो इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। गाने का म्यूजिक रोमांटिक और सुकून देने वाला है, जो फिल्म कीलव स्टोरी का माहौल बना देता है।

फिल्म में आशुतोष राणा, संजय मिश्रा, गुलशन ग्रोवर और प्रीत कमानी जैसे दमदार कलाकार भी नजर आएंगे। नए और अनुभवी कलाकारों का यहमेल हीर एक्सप्रेस को एक खास फिल्म बना देता है, जिसमें इमोशन, कॉमेडी और प्यार सब कुछ देखने को मिलेगा।

इस फिल्म का निर्माण उमेश शुक्ला, आशिष वाघ, मोहित छाबड़ा और संजय ग्रोवर ने मिलकर किया है, और सम्पदा वाघ सह-निर्माता हैं। हीरएक्सप्रेस को ट्यूलिप एंटरटेनमेंट और डिवीसा एंटरटेनमेंट पेश कर रहे हैं, जो मेरी गो राउंड स्टूडियोज और क्रिएटिव स्ट्रोक्स ग्रुप के साथ मिलकर बनाईजा रही है। अब जब फिल्म का पहला गाना सामने आ गया है, दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

प्रमोद भार्गव

देशमें मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है।

वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में ८०.६० प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी।

चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था।

बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं।

चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग द्वारा इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृष्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन, उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा जो अपने घरों से दूर रहते हैं। अनेक चुनाव विशेषज्ञ इस प्रणाली को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। बेशक, आरवीएम की परिकल्पना क्रांतिकारी है। आईआईटी, मद्रास की मदद से %मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्षम होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते २००५ में भाजपा के एक सांसद लोक सभा में %अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे लेकिन समर्थन नहीं मिल पाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। कांग्रेस और अन्य दलों ने इस विधेयक के विरोध का कारण बताया था कि दबाव डाल कर मतदान कराना संविधान की अवहेलना है क्योंकि संविधान में मतदान करना मतदाता का स्वैच्छिक अधिकार तो है, लेकिन वह इस कर्त्तव्य-पालन के लिए बाध्यकारी नहीं है। लिहाजा, वह इस राष्ट्रीय दायित्व को गंभीरता से न लेते हुए उदासीनता बरतता है। हमारे यहां आर्थिक रूप से संपन्न-सुविधा भोगी जो तबका है, वह अनिवार्य मतदान को संविधान में दी निजी स्वतंत्रता में बाधा मानते हुए इसका मखौल उड़ाता है। मतदान की अनिवार्यता अथवा ई-वोटिंग या आरवीएम से सुविधा का मतदान कथित अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को %वोट बैंक' की लाचारगी से भी छुटकारा दिलाएगा। राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से निजात मिलेगी क्योंकि जब प्रवासियों को आरवीएम से मतदान की सुविधा मिल जाएगी तो किसी धर्म, जाति या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जाएगी। नतीजतन, उनका संख्या बल जीत-हार को प्रभावित नहीं कर पाएगा। लिहाजा, सांप्रदायिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की जरूरत नगण्य हो जाएगी। जब पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की छाया थी, तब वहां हुए विधानसभा चुनावों में 15 से २० प्रतिशत मतदान से ही सरकारें बनती रही हैं। साफ है कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। अधिकतम मतदान के हालात ई-वोटिंग एवं आरवीएम के इस्तेमाल से निर्मित होते हैं, तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करती दिखेगी जो सामाजिक न्याय और समान अवसर की बात कहता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

ऑयली स्किन होने के भी है फायदे

क्या आपका चेहरा ऑयली है और आप अपना सारा समय अपना मुंह धो-धो कर गुजार देती हैं? तो ऐसा ना करें क्योंकि ऑयली चेहरे के भी अपने अलग फायदे हैं। ऑयली चेहरे को किसी भी क्रीम या मॉइस्चराइजर की जरुरत नहीं है। ऑयली चेहरे होने के कई बड़े-बड़े फायदे हैं, जिन्हें लोग कम ही जानते हैं। रिसर्च में भी यह बात सामने आई है कि जिनकी स्किन ऑयली होती है उनकी ज्यादा उम्र होने का पता नहीं चलता क्योंकि ऑयली स्किन पर झुर्रियां जल्द नहीं आती। इसके अलावा ऑयली स्किन हमेशा स्मूथ और कोमल नज़र आती है।

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आपको हर वक्त पर्स में मॉइस्चराइजर या क्रीम ले कर टहलने की आवश्यकता नहीं है। अब इतना पढ़ने के बाद आपको नहीं लगता कि पूरा आर्टिकल ही पढ़ लिया जाए और ऑयली स्निक के फायदे गिने जाएं। चेहरे को धोने के कुछ ही देर के बाद चेहरे पर ऑयल आ जाता है, जो कि आपके चेहरे पर चमक भर देता है। इससे आपको अपने चेहरे पर ग्लो भरने के लिये किसी भी क्रीम की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। झुर्रियों का नामोनिशान नहीं जिनकी स्किन ऑयली होती है उनकी उम्र ढलने के बावजूद भी उनके चेहरे पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती। इससे वह हर वक्त जवान दिखते हैं और साथ ही उनकी स्किन में नमी हर वक्त बरकरार रहती है।प्राकृतिक नमी रहे आपको बाजार से महंगे मॉइस्चराइजर या क्रीम खरीदने की जरुर नहीं क्योंकि आपके चेहरे के पास प्राकृतिक नमी पैदा करने की क्षमता है।

सू- दोकू क्र. 33

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 32 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

स्टेट कैपिटल रीजन: छत्तीसगढ़ का बनेगा नया ग्रोथ इंजन

जी.एस. केशरवानी, सुनील त्रिपाठी

राजधानी रायपुर और उसके आस-पास का एरिया, स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) के रूप में विकसित होने जा रहा है। यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ का नया ग्रोथ ईंजन बनेगा। विधानसभा में इस संबंध में विधेयक को मंजूरी मिलने के साथ ही स्टेट कैपिटल रीजन% ने रफ्तार पकड़ ली है। राजधानी रायपुर सहित दुर्ग-भिलाई और नवा रायपुर अटल नगर के क्षेत्र कैपिटल रीजन में शामिल किया गया है। यह पूरा क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर विकसित होगा।

भौगोलिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ देश के केन्द्र में स्थित होने के साथ-साथ व्यापार, वाणिज्य और उद्योग के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की यह पहल पर स्टेट कैपिटल रीजन में योजनाबद्ध और शहरी विकास की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, स्टेट कैपिटल रीजन को विकसित करने की योजना बनाई गई है। इससे राजधानी और आसपास के शहरों का प्लान्ड डेव्हलपमेंट होगा। साथ ही शहरी सुविधाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और वाणिज्य के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इस क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं बढ़ेंगी।

स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल शहरों में वर्ष २०31 तक ५० लाख से अधिक की आबादी रहने का अनुमान है। बढ़ते शहरीकरण और आबादी के दबाव को कम करने तथा बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यहां राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन करने का प्रावधान रखा गया है। यह प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण आदि के अनुरूप होगा।

राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। इसके साथ ही आवास एवं पर्यावरण, नगरीय प्रशासन एवं विकास, लोक निर्माण विभाग के मंत्री, राज्य के मुख्य सचिव सहित विभिन्न विभागों के सचिव, राज्य शासन द्वारा नामित सदस्यों में राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का प्रतिनिधित्व करने वाले चार विधायक, स्थानीय प्राधिकरण का प्रतिनिधित्व करने वाले चार निर्वाचित सदस्य होंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण इसके सदस्य संयोजक होंगे।

यह प्राधिकरण भूमि का प्रभावी उपयोग और पर्यावरण अनुकूल योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करेगा। वर्ष २०24-25 के बजट में स्टेट केपिटल रीजन कार्यालय की स्थापना के लिए सर्वेक्षण एवं डीपीआर बनाने के लिए भी 5 करोड़ का प्रावधान किया गया है। रायपुर से दुर्ग तक मेट्रो रेल सुविधा के सर्वे कार्य के लिए भी 5 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का उद्देश्य राजधानी और आसपास के शहरों के व्यापक विकास के लिए योजना बनाने के साथ नियामक और समन्वय सस्थान के रूप में कार्य करना है। इसके प्रमुख कार्यों में स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनाना, निवेश, आर्थिक योजनाओं और इनका कार्यान्वयन, विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी हितधारकों के बीच समन्वय, आर्थिक और अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देना भी है।

प्राधिकरण की एक कार्यकारी समिति होगी, जिसके अध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी होंगे। इसके अलावा नगर तथा ग्राम निवेश के संचालक, नगरीय प्रशासन विभाग के विकास संचालक, शहरी योजनाकार, अभियंता, वित्त, संपदा, पर्यावरण नामांकित सदस्य होंगे। इसके अलावा राजधानी क्षेत्र में शामिल सभी जिलों के कलेक्टर इसके सदस्य होंगे।

स्टेट कैपिटल रीजन के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा राजधानी क्षेत्र विकास निधि बनाई जाएगी। इसके साथ ही एक पुनरावृत्ति निधि भी होगी। इसे राजधानी अवसंरचना परियोजनाओं के लिए विशेष उपकर लगाने की शक्ति भी होगी। यह वार्षिक बजट भी तैयार करेगा तथा राज्य सरकार को प्रत्येक वर्ष वार्षिक योजना एवं प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करेगा।

लेखक उप संचालक, सहायक संचालक हैं

राज्य की जनता भाजपा सरकार से त्रस्तः बेहड़

❑पंचायत चुनावों में देखने को मिला इसका असर

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव परिणाम ने यह साबित कर दिया है कि राज्य की जनता प्रदेश में भाजपा सरकार से त्रस्त हो चुकी है और वह सत्ता में बदलाव चाहती है।

यह बात किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा जिला पंचायत की तीनों सीटों के कांग्रेस समर्थित विजयी प्रत्याशियों कुरैया से सुनीता सिंह, दोपहरिया से गुरदास कालडा व प्रतापपुर से प्रेमप्रकाश के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कही। उन्होने कहा कि यह जीत कांग्रेस पार्टी व हर कार्यकर्ता की जीत है। इससे सभी कार्यकताओं में नई उर्जा का संचार हुआ है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के सहयोग से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गठित होगी। उन्होंने कहा कि जनपद उधमसिंह नगर में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने जिला पंचायत की 12 सीटों पर जीत हासिल कर यह दिखा दिया है कि यहां की जनता अब प्रदेश में कांगेस की सरकार देखना चाहती है। उन्होंने विपक्षियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को हराने के लिए सत्ता का रौब के साथ ही धन बल का खुलकर उपयोग किया गया। उन्होने इसके साथ ही अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि जिला व प्रदेश स्तर के कुछ वरिष्ठ नेता काली गाड़ियों में बैठकर विपक्षी प्रत्याशियों के लिए कार्य कर भीतरघात करते रहे। इसकी जानकारी उन्हें कई बार मिली। हमें उनका भी मुकाबला करना पड़ा। उन्होंने कहा कि अब तीनों सीटों पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत पर ऐसे नेताओं को अपने पद छोड़ देने चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर प्रत्याशी चयन पर उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का जो भी निर्देश होगा उसका वह पालन करेंगे। इस दौरान एडवोकेट सर्वेश कुमार सिंह, गुलशन सिंधी, ओम प्रकाश, संजय जुनेजा, गौरव बेहड़ आदि मौजूद थे।

घर के बाहर खडी कार चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी कार चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड नेहरू कालोनी निवासी उमर जैदी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी कार घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी कार अपने स्थान से गायब थी।

विवाहिता से मारपीट करने पर पिता-पुत्र पर मुकदमा

देहरादून। विवाहिता से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरस्वती विहान निवासी अर्चना सिंघल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह करनाल हरियाणा निवासी विक्रांत सिंघल के साथ हुआ था। उसके पति की मृत्यु के बाद उसके जेठ व ससुर द्वारा उसके साथ मारपीट कर उत्पीडन किया गया और मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पंचायतों को 29 विषय सौंपने का संघर्ष... ◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

इसके लिए मन में विचार भी नहीं ला सकता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत के प्रमुखों को 29 विभागों के अधिकारियों की चरित्र पंजिका को लिखने का पावर भी दिया जाना चाहिए।

मर्तोलिया ने कहा कि उत्तराखंड पंचायती राज मंत्रालय का पुनर्गठन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने 25 साल के बाद भी पुनर्गठन नहीं होने को चिंता जनक बताया। कहा कि रेखीय विभागों को पंचायती राज के अधीन किया जाना चाहिए। विकासखंड कार्यालय में भी पंचायती राज से निकलने वाले अधिकारियों को ही विकासखंडों की जिम्मेदारी सौपी जानी चाहिए। कहा कि पंचायती राज विभाग नोडल विभाग है, तो उसे अधिकार भी मिलनी चाहिए। उत्तराखंड में पंचायतीराज को आगे करके ही ग्रामीण विकसित भारत का सपना पूरा किया जा सकता है।

सरकार किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्यरतः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ीकैंट, देहरादून से इस कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने तथा उनके जीवन स्तर को उठाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। योजना की 20वीं किस्त जारी किए जाने के साथ ही उत्तराखंड के किसानों को करीब 3300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों के कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया जा रहा है। 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, फसल रोगों और कीटों से होने वाले नुकसान के लिए सुरक्षा कवच भी प्रदान किया जा रहा है। 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना के द्वारा खेतों की मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कर किसानों को पोषक तत्वों की कमी और आवश्यक उर्वरकों की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों में सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि उपकरण खरीदने के लिए फार्म मशीनरी बैंक योजना के माध्यम से 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। किसानों के हित में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह मुफ्त किया गया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान भी किया गया है। गेहूं खरीद पर किसानों को 20 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान करने के साथ ही गन्ने के मूल्य में भी 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की गई है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड को वर्ष 2023-24 में "मिलेट सेक्टर में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश" का पुरस्कार हैदराबाद में आयोजित इंटरनेशनल न्यूट्री-सीरियल कन्वेंशन में प्रदान किया गया। मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता योजना तथा जैविक कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य को भारत सरकार से राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि नैनीताल के ग्राम सुनकिया के कृषक हर्ष सिंह डंगवाल को "जैविक इंडिया अवार्ड" मिला, जबकि उत्तरकाशी को लाल धान के लिए "एक जिला-एक उत्पाद" में द्वितीय स्थान और हरिद्वार व टिहरी जनपद को पीएम फसल बीमा योजना में क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, बृज भूषण गैरोला, पूर्व सांसद बलराज पासी, सचिव एस. एन. पाण्डेय, महानिदेशक कृषि रणवीर सिंह चौहान एवं प्रदेशभर से आए किसान उपस्थित थे।

केदारनाथ मार्ग की रुकी हुई यात्रा हुई फिर सुचारु

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सोनप्रयाग से गौरीकुण्ड के मध्य सड़क मार्ग बाधित होने के कारण विगत कुछ दिनों से अस्थाई तौर पर केदारनाथ की यात्रा रुकी हुई थी केवल वापस आ रहे यात्रियों को सुरक्षा बलों की मदद से वैकल्पिक पैदल मार्ग से वापस लाया जा रहा था। आज मुख्य सड़क मार्ग जो कि कुछ हद तक पैदल चलने लायक हो चुका है पर आवागमन हेतु सुचारु होने पर सोनप्रयाग से यात्रियों के ग्रुप को गौरीकुण्ड होते हुए केदारनाथ के लिए भेजा जाने लगा है।

पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षतिग्रस्त हुए स्थल पर वाहनों के आवागमन शुरू होने तक श्रद्धालुओं को तकरीबन 22 किमी. पैदल केदारनाथ धाम की यात्रा करनी होगी। बारिश होने की दशा में यहां पर यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए आवागमन को अस्थाई तौर पर रोका जाएगा। साथ ही यात्रियों से अपील की गयी है कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही अपना यात्रा करें। सम्बन्धित कार्यदाई संस्था लोनि.वि. के स्तर से निरन्तर मार्ग को चौड़ीकरण की कार्यवाही की जा रही है।

अंतरिम आरक्षण पर छिड़ी जंग

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शासन द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए उन सभी 12 जिलों की अंतरिम आरक्षण सूची जारी कर दी गई है। शासन ने साथ ही इस पर आपत्तियों को दर्ज कराने और सुनवाई की तिथि भी तय कर दी इसके बाद 6 अगस्त को अंतिम सूची जारी करने को कहा गया है। लेकिन इसकी अंतरिम सूची जारी होते ही कांग्रेस ने इस पर घोर आपत्ति भी जताई है और इसे भाजपा का चुनावी भ्रष्टाचार करार देते हुए चुनौती दी है कि वह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस चुनावी भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ करेंगे।

उल्लेखनीय है कि 24-28 जुलाई को दो चरणों में हुए मतदान के बाद बीते कल तक सभी चुनाव परिणाम आ चुके हैं। दरअसल आरक्षण रोस्टर की खामियों को लेकर चुनाव से पूर्व भी काफी बवाल हुआ था। अब जिला पंचायत अध्यक्ष के पदों पर होने वाले चुनाव के लिए अंतरिम

❑प्रीतम सिंह की चुनौतीः चुनावी भ्रष्टाचार का करेंगे भंडाफोड़
❑मेरे बेटे को अध्यक्ष बनने से रोकने के लिए किया गया षड्यंत्र

सूची जारी होते ही इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कल ही आपत्ति जताई थी और कहा था कि शासन प्रशासन अपनी सुविधानुसार काम कर रहा है। चुनाव परिणाम पूर्व ही उसे जिला पंचायत अध्यक्षों के आरक्षण की सूची जारी करनी चाहिए थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह द्वारा इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा गया है कि सरकार ने उनके बेटे अभिषेक सिंह को जिला पंचायत अध्यक्ष बनने से रोकने के लिए देहरादून जिला पंचायत अध्यक्ष सीट को फिर महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है इस सीट पर पहले महिला का आरक्षण किया गया था। इससे पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी है जो इस साल भी चुनाव जीतकर आई है। प्रीतम सिंह ने सरकार पर चुनावी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि इस चुनाव में शुरू से ही भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। मनमाने तरीके से नामांकन पत्र रद्द किए जाने आरक्षण और नाम रद्द करने को लेकर तमाम मामले अदालत तक गए हैं। उन्होंने कहा है कि वह सरकार के इस चुनावी भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ करने के लिए जल्द ही पत्रकार वार्ता करेंगे।

अंतराष्ट्रीय नशा तस्कर सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ के एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा नशा तस्करी पर सटीक कार्यवाही करते हुए एक अंतराष्ट्रीय नशा तस्कर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से करीब 24 लाख रूपये की चरस बरामद हुई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बीते रोज एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स कुमांऊ यूनिट को सूचना मिली कि टनकपुर क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना टनकपुर पुलिस के साथ मिलकर क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को आर्य मंदिर के सामने टनकपुर से दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये।

❑24 लाख की चरस बरामद

टीम ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 4 किलो 30 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम जय बहादुर धामी पुत्र अंग बहादुर धामी निवासी ग्राम सलकाटय थाना झापा जिला बजांग, नेपाल व कबीर गर्ब्याल पुत्र भरत सिंह गर्ब्याल निवासी गरबियांग थाना धारचूला जिला पिथौरागढ़ बताया। बताया कि वह चरस को नेपाल से लाकर उत्तराखंड के चंपावत व नेपाल से लगी सीमाओं के जनपदों में ऊंचे ऊंचे दामों में बेचते है। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत 24 लाख रूपये बतायी जा रही है।

रामनगर में 3 अवैध मजारें ध्वस्त

❑दो सप्ताह पूर्व चिन्हित कर दिया था नोटिस

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामनगर क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई तीन मजारों को भी आज जिला प्रशासन द्वारा की गयी बुल्डोजर कार्यवाही से ध्वस्त कर दिया गया है। इन मजारो को दो हफ्ते पूर्व चिन्हित कर उन्हे नोटिस जारी किया गया था।

जानकारी के अनुसार रामनगर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर बनी दो अवैध मजारों को आज जिला प्रशासन की टीम ने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर इन्हे बुल्डोजर से ध्वस्त करा दिया गया है।

इन मजारों के नीचे किसी भी प्रकार के कोई अवशेष नहीं मिले है। जिस पर प्रशासन द्वारा इन संरचनाओं को डंपर में डाल कर ले जाया गया है। वहीं एक अवैध मजार सरकारी स्कूल में भी बनी हुई थी जिसे लेकर बीते दिनों से सोशल मीडिया में भी चर्चाये चल रही थी कि बच्चों पर इसका क्या असर पड़ रहा होगा। जिस पर प्रशासन द्वारा आज उक्त मजार को भी हटा दिया गया है।

नैनीताल एडीएम विवेक राय ने बताया कि उक्त अवैध रूप से निर्मित धार्मिक संरचनाओं को आज हटा दिया गया, हटाने से दो हफ्ता पूर्व उक्त स्थल पर स्थानीय प्रशासन ने नोटिस जारी किया था।

बीएलओ को दी जाएगी 2000 की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि

देहरादून/ दिल्ली (सं)। भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन डयूटी पर तैनात बीएलओ को दो हजार रूपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है। आज यहां भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कार्मिकों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों को दिए जाने वाले वार्षिक पारिश्रमिक को 6000 से बढ़ाकर 12000 कर दिया है। साथ ही, पर्यवेक्षकों को दी जाने वाली राशि 12000 से बढ़ाकर 18000 प्रति वर्ष कर दी गई है। आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य हेतु कर्मचारियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी 1000 से बढ़ाकर 2000 कर दी है। इसके अलावा, निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के रूप में कार्य कर रहे उपजिला मजिस्ट्रेटों को अब 30 हजार वार्षिक मानदेय दिया जाएगा, जबकि सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को 25000 वार्षिक दिए जाएंगे। यह निर्णय निर्वाचन आयोग की उन चुनाव कार्मिकों को पर्याप्त मुआवजा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो सटीक मतदाता सूची बनाये रखने, मतदाताओं की सहायता करने और चुनावी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए क्षेत्र स्तर पर अथक परिश्रम करते हैं। उत्तराखंड में वर्तमान में लगभग 13000 कर्मचारी कार्यरत हैं। वहीं, लगभग 70 उपजिला मजिस्ट्रेट नियुक्त हैं, जो मतदाता सूची की तैयारी और निर्वाचन प्रक्रिया को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारी भूस्खलनः श्रमिकों ने भागकर बचाई जान, 7 घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। जिले के हेलंग के पास टीएचडीसी की जल विद्युत परियोजना की साइट पर अचानक आज सुबह भारी भूस्खलन हो गया। हादसे के समय साइट पर काम कर रहे मजदूरों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। हालांकि इस दौरान 7 लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने इस हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना में किसी की जान नहीं गई है और सभी 7 लोग सामान्य रूप से घायल हुए हैं। स्थिति को देखते हुए फिलहाल डैम साइट पर काम रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना हेलंग के पास टीएचडीसी (टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) की एक जल विद्युत परियोजना की साइट पर हुई। आज सुबह अचानक पहाड़ी से मलबा और चट्टानें भरभराकर गिरने लगीं। कई श्रमिक मलबे की चपेट में आने से बाल-बाल बचे। अफरातफरी के माहौल में कई लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर जिला प्रशासन की टीम के साथ-साथ टीएचडीसी और आपदा प्रबंधन की टीमें भी पहुंच गई हैं। घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया है और परियोजना स्थल पर सुरक्षा का जायजा लिया जा रहा है। साथ ही, पूरे घटनाक्रम की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ः 8 महिलाएं व 5 पुरुष गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। होटल की आड़ में सैक्स रैकेट चलाने का भंडाफोड़ करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते 8 महिलाओं व 5 पुरूषों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार देर शाम एक सूचना के बाद रुड़की सिविल लाईन स्थित एक होटल श्री निवास में एंटी ह्यूमन टीम व पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान 8 महिलाएं व 5 पुरुष आरोपित आपतिजनक अवस्था में आपतिजनक सामग्री के साथ गिरफ्तार किये गये। जिनके खिलाफ कोतवाली रुड़की पर अनैतिक देह व्यापार एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मामले में मुख्य आरोपी राजा उर्फ राझां व निक्की द्वारा काफी समय से अन्तर्राज्यीय गिरोह बनाकर हरियाणा, आसाम, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, व अन्य प्रदेशो से लडकियां लाकर रूडकी के कई होटलो ने सप्लाई की जा रही थी तथा आरोपी राजा उर्फ राझां एवं निक्की कल्लू उर्फ दीपक 5-6 सालो से देह व्यापार का धंधा चला रहे थे। गिरफ्तार लोगों के नाम राजा उर्फ रांझा पुत्र सुभाष निवासी पाड़ली गुज्जर रुडकी, हैदर अली पुत्र बहादुर अली निवासी पूर्वी अम्बर तालाब रूडकी, सिध्दान्त पुत्र सतीश निवासी ग्राम पोढोवाली बालावाली कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार, रविकान्त पुत्र अनिरुद्ध निवासी ग्राम लखनीता थाना झबरेडा व लक्की पुत्र सरेश कुमार निवासी नियर असद रोड थाना माडल टाउन पानीपत हरियाणा व 8 महिलाए शामिल है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।